अमर उजाला | अपना झांसी | झांसी | शनिवार | 4 जून 2016

कृषि विश्वविद्यालय में दो नए कोर्स

झांसी (ब्यूरो)। कृषि क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों के लिए एक अच्छी खबर है। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में इस सत्र से दो नए कोर्स बीएससी बागवानी व वानिकी शुरू किए जा रहे हैं। दोनों कोर्सों में 20-20 सीटों पर छात्र-छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। शुक्रवार को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की प्रबंधन बोर्ड की तीसरी बैठक में कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार ने यह जानकारी दी।

- प्रबंधन बोर्ड की तीसरी बैठक में हुआ फैसला

प्रबंधन बोर्ड की बैठक में भाग लेते कुलपति प्रो. अरविंद कुमार।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में दस फरवरी 2016 को हुई द्वितीय बैठक के फैसलों की समीक्षा कर स्वीकृति दी गई। सत्र 2016-17 के बजट प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही निर्माण समिति गठित कर दी गई है, जो कि प्रस्तावित प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, महाविद्यालयों के शैक्षणिक भवन, अतिथि गृह, छात्रावास, सभागार व कर्मचारी आवास आदि के निर्माण कार्य व प्रस्तावों की समीक्षा करेगी। कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार ने बताया कि 25 जुलाई से नया एकेडमिक सेशन शुरू होगा। शैक्षिक वर्ष 2016-17 से कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी बागवानी व बीएससी वानिकी भी शुरू होंगे। बीएससी कृषि की 30, बीएससी बागवानी की 20 और बीएससी वानिकी की 20 सीटों पर छात्र-छात्राओं का चयन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के जरिए किया जाएगा। इस बार विश्वविद्यालय को दो वैज्ञानिक भी मिल गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विस्तार को राज्य सरकार से तीन सौ एकड़ जमीन की उपलब्ध कराने की मांग की गई है। कुलपति ने बताया कि बोर्ड ने बुंदेलखंड के कृषि विकास हेतु बबीना ब्लाक के कंचनपुर गांव को गोद लिया है। बुंदेलखंड क्षेत्र में दलहन व तिलहन फसल के उत्पादन की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसानों के लाभ को इसके विस्तार पर जोर दिया गया। कुलसचिव डॉ. मुकेश श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके सिंह, पूर्व कुलपति डॉ. सुरेश चंद्र मुदगल, उप महानिदेशक (शिक्षा) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली डॉ. नरेंद्र सिंह राठौर, पूर्व कुलपति डॉ. के आर धीमन, प्रमोद कुमारी राजपूत, एन कुमार आदि मौजूद रहे।

केन्द्रीय कृषि विवि में दो नए कोर्स को मंजूरी

- भवन निर्माण को स्वीकृति, निर्माण समिति करेगी तकनीकि जाँच
- दो वैज्ञानिकों की नियुक्ति को स्वीकृति
- प्रबन्धन बोर्ड में लिए गए निर्णय

झाँसी : रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक में आज भवन निर्माण की डिज़ाइन को मंजूरी दे दी गयी। भवन निर्माण की विस्तार से जानकारी व टेण्डर प्रक्रिया के लिए निर्माण समिति बनायी गयी है। इधर, बोर्ड ने दो वैज्ञानिकों की नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रबन्धन बोर्ड की बैठक कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र पर हुई। बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2016–17 से विश्वविद्यालय में बीएससी (कृषि), बीएससी (बागवानी), बीएससी (वानिकी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए क्रमशः 30, 20 व 20 विद्यार्थियों का चयन भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कराने का निर्णय लिया। बोर्ड ने बुन्देलखण्ड के कृषि विकास हेतु गाँव कंचनपुरा को अंगीकृत किया। साथ ही बुन्देलखण्ड क्षेत्र में दलहन व तिलहन फ़सल के उत्पादन की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसानों को लाभ पहुँचाने पर ज़ोर दिया। साथ ही प्रस्तावित शैक्षिक व अशैक्षणिक पदों की भर्ती के लिए नियम व वित्तीय वर्ष 2015–16 के व्यय की समीक्षा की।

बैठक में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की डिज़ाइन पर विस्तार से चर्चा की गयी। निर्माण कम्पनि ने पावर पॉइण्ट प्रेज़ेण्टेशन के माध्यम से जानकारी दी। कम्पनि ने ग्रासलैण्ड स्थित ज़मीन पर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, शैक्षणिक भवन, अतिथि गृह, अधिकारियों व प्रोफेसर के आवास, हॉस्टल आदि के निर्माण की डिज़ाइन की है। प्रशासनिक भवन तीन मंजिला बनाया जाएगा। इसके साथ ही दतिया में बनने वाले कॉलिज, आवास व हॉस्टल की डिज़ाइन की गयी है। कुलपति ने कहा कि भवन निर्माण को आवश्यकता के अनुरूप बनाया जाए तथा धनराशि मिलने पर कार्य को आगे बढ़ाया जाए। बोर्ड ने निर्माण पर नज़र रखने के लिए निर्माण समिति के गठन का अनुमोदन किया। इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके सिंह, पूर्व कुलपति डॉ. सुरेश चन्द्र मुदगल, उप महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व कुलपति डॉ. केआर धीमन, अधिष्ठाता डॉ. मृदुला बिल्लोर, एमपीएस यादव, गोपाल दास पालीवाल, प्रमोद कुमारी राजपूत, एन. कुमार आदि उपस्थित रहे। रजिस्ट्रार डॉ. मुकेश श्रीवास्तव ने स्वागत किया।

प्रधानमन्त्री करेंगे शिलान्यास

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के भवन निर्माण को अन्तिम मंजूरी बनने के बाद भवन निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा। शिलान्यास के लिए प्रधानमन्त्री को पहले ही पत्र दिया जा चुका है।

इस सम्बन्ध में बीते रोज़ केन्द्रीय कृषि मन्त्री राधा मोहन सिंह के दौरे पर चर्चा की गयी। कृषि मन्त्री ने भी प्रधानमन्त्री के झाँसी दौरे का कार्यक्रम तय करने का आश्वासन दिया है। सम्भावना है कि जुलाई या उसके बाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के शिलान्यास के प्रधानमन्त्री के कार्यक्रम को मंजूरी मिल सकती है। एक सवाल पर कुलपति ने बताया कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय ऐक्ट में किसी क्षेत्र को आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसीलिए बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विद्यार्थियों को अलग से आरक्षण नहीं मिलेगा। एक अन्य प्रश्न पर कुलपति ने बताया कि लैब व अन्य सुविधाओं की कमी से इस वर्ष स्नातकोत्तर कोर्स प्रारम्भ नहीं किए जा रहे हैं।